नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ऋग्वेदीय दार्शनिक भावना का निरूपण कीजिए ।
2. मंत्र के अर्थ बताइये । वेदमंत्रों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए ।
3. तैतिरीय संहिता–मैत्रायणी संहिता का परिचय दीजिए ।
4. देवों की अनेकता में एकता का वर्णन कीजिए ।
5. उपनिषद् का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रमुख उपनिषदों का वर्णन कीजिए ।
6. सामवेदीय ब्राह्मणों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।
7. रामायण–महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।
8. वेदांग साहित्य का परिचय दीजिए ।
9. शतपथ– ब्राह्मण का परिचय दीजिए ।
10. निरूक्त क्या है ? क्या निरूक्त वेदार्थ–ज्ञान में सहकारी है ? स्पष्ट कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2019

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
08.06.2019	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.06.2019	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.06.2019	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.06.2019	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
15.06.2019	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.06.2019	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
20.06.2019	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
22.06.2019	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2. भक्तिमूलक गीतिकाव्य में स्रोत–साहित्य का मूल्यांकन कीजिए ।
3. दण्डिनः पदलालित्यम् अथवा 'वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' की विवेचना कीजिए ।
4. बृहत्कथा से आप क्या समझते हैं ? उसके संस्करण रूपों पर प्रकाश डालिए ।
5. संस्कृत नीति कथाओं में पंचतंत्र का मूल्यांकन कीजिए ।
6. नाटक को परिभाषित करते हुए भारतीय नाटक के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।
7. महाकवि शूद्रक की यथार्थवादिता 'मृच्छकटिकम' के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
8. 'उत्तररामचरिते भवभूतिविशिष्टयते'–इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य में नवीन परम्परा के नवोदित कवियों तथा उनके काव्यों का विवेचन कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) बाणभट्ट
    (ख) भवभूति

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है' इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।
2. आकृतिमूलक वर्गीकरण का क्या अर्थ है ? इसके भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
3. भाषा–परिवारों का उल्लेख करते हुए किन्हीं दो भाषा परिवारों पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) चीनी परिवार (ख) अमेरिकी परिवार
   (ग) जापानी कोरियाई परिवार (घ) बान्तु परिवार
4. ग्रिमनियम का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
5. पालिभाषा के नामकरण पर विचार करते हुए पालिभाषा की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।
6. वागवयवों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
7. स्वनिम किसे कहते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
8. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं का विवेचन कीजिए ।
9. वाक्य के अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए ।
10. नागरी लिपि की वैज्ञानिकता का विवेचना सोदाहरण कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. आत्मा, कर्मवाद तथा पुनर्जन्म इन तीन दार्शनिक प्रमेयों का विवेचन कीजिए ।
2. सांख्य योग दर्शन का परिचय दीजिए ।
3. अष्टांगिक मार्ग का विस्तार से परिचय दीजिए ।
4. अनेकान्तवाद का निरूपण कीजिए ।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) उपमान प्रमाण
   (ख) चार्वाक
   (ग) द्वैतवाद
   (घ) मोक्षमार्ग

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. उत्तरवैदिक संस्कृति का परिचय दीजिए ।
7. संस्कार के अर्थ और महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
8. पुरूषार्थ के रूप में अर्थ और काम का निरूपण कीजिए ।
9. वर्ण और जाति का अन्तर समझाते हुए जाति प्रथा का परिचय दीजिए ।
10. दान की महिमा का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. त्रिपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. जैन आगम साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
3. अपभ्रंश में रचित चरित एवं कथा काव्यों का परिचय दीजिए ।
4. भक्तिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए ।
5. भारतेन्दु काल का परिचय दीजिए ।
6. बंगला साहित्य के काल विभाजन पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।
7. मराठी संतकाव्य का परिचय दीजिए ।
8. तमिल साहित्य को सुब्रमण्यम भारती की देन का मूल्यांकन कीजिए ।
9. तेलुगु साहित्य के अन्यतम कवि पोतना का परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    अपभ्रंश कृष्ण–काव्य, चैतन्यदेव, कबीरदास, तुलसीदास

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. माहेश्वर सूत्र से आप क्या समझते हैं ? सभी माहेश्वर सूत्रों का उल्लेख करते हुये उनकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए ।

2. वर्णों के उच्चारण–स्थान से क्या तात्पर्य है ? कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य और दन्त्य वर्णों की विवेचना कीजिए ।

3. सन्धि की परिभाषा देते हुये स्वर संधि के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

4. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं चार पदों की रूपसिद्धि कीजिए :–
   (i) गङ्गौधः (ii) ब्रह्मर्षिः (iii) मनीषा (iv) प्रेजते
   (v) मनोरथः (vi) पावकः (vii) उपेन्द्रः (viii) दैत्यारिः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) अकः सवर्णे दीर्घः (ii) एङः पदान्तादति (iii) वृद्धिरेचि
   (iv) विसर्जनीयस्य सः (v) एचोऽयवादावः (vi) स्तोःश्चुना श्चुः
   (vii) इदूदेतु द्विवचनं प्रगृह्यम् (viii) शश्छोऽटि

6. कारक किसे कहते हैं ? वाक्य निर्माण में इनकी उपयोगिता का वर्णन करते हुये इसके भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

7. निम्नलिखत में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ii) कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे (iii) सहयुक्तेऽप्रधाने
   (iv) चतुर्थी सम्प्रदाने (v) जनिकर्तुः प्रकृतिः (vi) षष्ठी शेषे
   (vii) यस्य च भावे भावलक्षणम् (viii) आधारोऽधिकरणम्

8. बहुब्रीहि समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

9. अधोलिखित किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) समर्थः पदबिधिः (ii) संख्यापूर्वो द्विगु (iii) उपसर्जनंपूर्वम्
   (iv) तत्पुरूषः समानाधिकरणः कर्मधारयः (v) तद्धितार्थोत्तर पद समाहारे च (vi) पञ्चमी भयेन
   (vii) अव्ययीभावे चाकाले (viii) सप्तमी शौण्डैः

10. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पदों की समास विग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
    (i) भूतपूर्वः (ii) यथाशक्तिः (iii) राजपुरूषः (iv) यूपदारू
    (v) कृष्णसर्पः (vi) नीलोत्पलम् (vii) कुम्भकारः (viii) अधिहरि

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इस काव्य लक्षण को पल्लवित करते हुये उसकी सम्यक् समीक्षा कीजिए ।
2. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
3. रूपक किसे कहते हैं ? उसके भेदों का परिचय दीजिए ।
4. व्यंजना शक्ति का परिचय दीजिए ।
5. रस दोष कितने माने गये हैं ? उनका सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
6. गुण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुये उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
7. रस सूत्र की विविध व्याख्याओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
8. ध्वनि–सिद्धान्त की स्थापनाओं का मूल्यांकन कीजिए ।
9. 'रीतिरात्माकाव्यस्य' कथन की समीक्षा कीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–
    (क) उत्प्रेक्षा
    (ख) विशेषोक्ति
    (ग) श्लेष
    (घ) परिसंख्या

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) महिला सशक्तिकरण (ख) पर्यावरण प्रदूषण समस्या (ग) संस्कृत–साहित्यस्य प्रासंगिकता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (i) हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए । (ii) सीता राम के साथ वन जाती है । (iii) तुम लोग काम करते हो ।
   (iv) हम ईश्वर को प्रणाम करते हैं । (v) मोहन लेखनी से लिखता है । (vi) बालक को दूध अच्छा लगता है।
   (vii) वह गाँव जाते हुये तृण को छूता है । (viii) मैं विद्यालय जाना चाहती हूँ । (ix) वह घर जाकर भोजन करेगा ।
   (x) दशरथ के चार पुत्र थे । (xi) कालिदास ने रघुवंश महाकाव्य की रचना की ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   अभितः, गृहात्, अलं, ह्यः, नूनम्, अपि, गृहीत्वा, ऋते, स्वस्ति, अधीत्य, गतवान्, पठन् ।

4. पूछे गये प्रश्नों के उत्तर निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दीजिए :–
   भारतवर्षस्य उत्तरस्यां दिशि हिमालयो नाम पर्वतोऽस्ति । अस्य पर्वतस्य शिखराणि अत्युन्नतानि सन्ति । एतानि शिखराणि सदैव हिमेन आच्छादितानि सन्ति । अतएव अस्य पर्वतस्य अभिधानं हिमस्य आलयः हिमालय इति प्रसिद्धोऽस्ति । हिमालयात् गंगा–यमुना–शतद्रु–विपाशा–द्वारावती–वितस्ता–प्रभृतयः अनेकाः नद्यः प्रादुर्भवन्ति । एतासां नदीनां जलानि भारतवर्षस्य विशालं भूभागं सिञ्चति । अतएव अस्मिन् देशे प्रभूतानि विविधानि अन्नानि फलानि उद्भवन्ति । अस्मिन् पर्वते विविधाः ओषधयः वृक्षाः धावतः विविधानि च रत्नानि उपलभ्यन्ते ।
   ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलजनाः हिमालयस्य पर्वतीयस्थलेषु गच्छन्ति सुखं च अनुभवन्ति । अस्मिन् एव पर्वते मानसरोवर–अमरनाथ–बद्रीनाथ–केदारनाथ–हरिद्वारप्रभृतीनि अनेकानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि अनेके च देवालयाः सन्ति । एतस्मिन् पर्वते स्थितासु अनेकासु गुहासु साधकाः तपश्चरन्ति । अत्र देवीनां मन्दिराणि अपि सन्ति । एतस्मात् कारणात् अयं पर्वतो देवभूमिरपि कथ्यते ।
   (i) हिमालयः कुत्र राजते ? (ii) हिमालयस्य शिखराणि कीदृशानि सन्ति ?
   (iii) हिमालयात् का का नद्यः प्रादुर्भवन्ति ? (iv) ग्रीष्मकाले तापेन ब्याकुलाः जनाः कुत्र गत्वा सुखम् अनुभवन्ति ?
   (v) हिमालये कानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि सन्ति ? (vi) हिमालयं देवभूमिः कथं कथ्यते ?
   (vii) अनुच्छेदस्य नाम देयम् । (viii) अस्मिन् पर्वते किं किं प्राप्यते ?

5. गणतंत्र दिवस का वर्णन करते हुये अपने मित्र को ***संस्कृत*** में एक पत्र लिखिए ।

6. छात्रवृत्ति हेतु अपने प्राचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
   सर्वे जनाः स्वप्रतिष्ठायै यतन्ते । परं हि नाम लिङ्गविशेषेण, वयसः आधिक्येन वा पूजार्हत्वं न प्राप्यते । बालो वृद्धो वा पुरुषः स्त्री वा सममेव अस्माकं पूजायाः पात्रमस्ति इति यदि तेषु गुणाः वर्तन्ते । कस्यापि पूजा स्त्रीत्वेन पुरूषत्वेनैव वा केवलं न भवति । स्त्रीषु अहल्याबाई लोकातिगौरवान्विता । लक्ष्मीबाई च भारतदेशे कस्मादपि पुरुषान्न्यूनत्वेन न दृष्टा । कामपि गुणविहीनां स्त्रीत्वेन केवलम् अल्पमतयः पूजयन्ति । गुणस्तु शाश्वतो नित्यः सनातनश्च यथा स्वर्णमयानि वस्तूनि बहवः क्रीणन्ति, तथैव गुणवान् पुरुषो जनानामादरं लभते ।
   वृद्धः धनिकोऽपि वा जनः यदि गुणविहीनः स आदरं पूजां वा नार्हति। नोचितं केवलं वृद्धत्वं पूजार्हम् । बालगुणान् बालकानापि महर्षयः पूजयन्ति । अल्पवयसं रामम् ऋषयः सर्वे सादरं पूजितवन्तः । ध्रुवस्तु सर्वेषाम् ऋषीणाम् आदरपात्रम् अभूत् । गुरूगोविन्दसिंहस्य स्वधर्मरक्षकौ द्वौ पुत्रौ कोटभितौ विद्यार्थिभिः निवेशितौ अधुनापि किन्नार्हतः पूजाम् ? अभिमन्युकथा बालकानां शूराणां च सहैव पूज्यत्वं भजते । पण्डितस्य अष्टावक्रस्य बालत्वं पूज्यत्वं नाधिक्षिपति ।

8. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   पुरा मथुरायाम् एकः नृशंसः नृपतिः अभवत् । तस्य नाम कंसः आसीत् । तस्य एका देवकी नाम भगिनी आसीत् । वसुदेवेन सह देवक्याः विवाहः अभवत् । प्रस्थानकाले आकाशवाणी अभवत्–"देवक्याः पुत्रः कंसस्य घातकः भविष्यति । तदा कंसः देवकीम् वसुदेवं च कारागारे अक्षिपत् । कंसः तस्याः नवजातान् शिशून सदैव अमारयत् । परं यदा कारागारे श्रीकृष्णः उत्पन्नः अभवत् तदा भाद्रपदमासस्य कृष्णपक्षस्य अष्टमी तिथिः आसीत् ।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
   (i) .....नाम किम् ? (भवान्, भवतः) (ii) राजेन्द्र प्रसादः.....आसीत् । (राष्ट्रपतिः, राष्ट्रपतिम्)
   (iii) छात्रेण.....पठेत् । (वेदम्, वेदः) (iv) बालिका.....बिभेति । (सिंहस्य, सिंहात्)
   (v) अशोक महान्.....आसीत् । (सम्राट्, सम्राजः) (vi) .....द्रौपदी अग्रगण्या । (नारी, नारीषु)
   (vii) .....मेघदूतं रचितवान् । (कालिदासः, कालिदासेन) (viii) अहं प्रतिदिनं.....गच्छामि । (महाविद्यालयं, महाविद्यालये)
   (ix) .....विद्या गरीयसी । (धनेन, धनात्) (x) मया.....दृश्यते । (चन्द्रः, चन्द्रं)
   (xi) .....गङ्गा प्रभवति । (हिमवतः, हिमवान्) (xii) .....प्रश्नानां उत्तरं देहि । (चतस्त्रः, चतुर्णां)
   (xiii) ..... बालकस्य पिता देहल्यां तिष्ठति । (तस्य, तेन) (xiv) अस्मिन् अध्याये.....प्रश्नाः सन्ति । (कति, कदा)
   (xv) रजकः.....गर्दभं ताडयति । (लगुडेन, लगुडात्) (xvi) सोहनः मोहनः.....गच्छतः । (च, वा)

10. (क) निम्नलिखित पदों के विग्रह कीजिए :–
    पीताम्बरः, महात्मा, दशाननः, दम्पती, केशाकेशि, प्राचार्यः, चन्द्रमुखी, त्रिभुवनम्
    (ख) निम्नलिखित अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद लिखिए :–
    (i) व्याघ्र इव आचरति । (ii) प्रश्नं करोति । (iii) नमः करोति । (iv) लब्धा प्रतिष्ठा येन सः ।
    (v) अद्रुमः द्रुमः भवति । (vi) अल्पा बुद्धिः यस्य सः । (vii) वसुदेवस्य अपत्यं पुमान् । (viii) पठितुम् इच्छति ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए ।
2. 'उषा' देवता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) अग्ने चं यज्ञमंध्वरं विश्वतः परिभूरसिं । स इद्देवेषु गच्छति ।
   (ख) यस्या श्रवासः प्रदिशि यस्य गावो यस्य ग्रामायस्य विश्वेरथासः य सूर्य य उषस जजान यो अपां नेता स जनास इन्द्रः ।।
4. शिव–संकल्प–सूक्त का सारांश लिखिए ।
5. 'सांमनस्यम्' का सार लिखिए ।
6. 'अक्षराभ्यास की संहिता जीवन में महासंहिता बने'–इसे स्पष्ट कीजिए ।
7. पिण्ड तत्त्व और ब्रह्माण्ड तत्त्व क्या है ? दोनों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।
8. शान्तिपाठ का तात्पर्य स्पष्ट करते हुये इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।
9. 'याज्ञवल्कय–मैत्रेयी–संवाद' को अपने शब्दों में लिखिए ।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं ***दो*** मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
    (क) येन अहं न अमृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम ।
    (ख) अस्यैवैतानि सर्वाणि निःश्वासितानि ।
    (ग) ग्रहणाय वीणायै तु ग्रहणेन वीणावादस्य या शब्दोगृहीत ।
    (घ) शङ्खस्य तु ग्रहणेन शङ्खध्यात वा शब्दो गृहीतः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2019

M.A. Sanskrit, Part–II

Date	Papers	Time	Examination Centre
03.08.2019	Paper–IX	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
05.08.2019	Paper–X	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
07.08.2019	Paper–XI	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
09.08.2019	Paper–XII	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
13.08.2019	Paper–XIII	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
17.08.2019	Paper–XIV	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
19.08.2019	Paper–XV	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
21.08.2019	Paper–XVI	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उपजीव्य काव्य का परिचय देते हुये उपजीव्य काव्यों का परिचय दीजिए ।
2. वाल्मीकि कृत रामायण के किष्किन्धाकाण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
3. वाल्मीकि कृत रामायण की संक्षिप्त कथा अपने शब्दों में लिखिए ।
4. किष्किन्धा काण्ड में वाल्मीकि के काव्य शिल्प का चित्रण कीजिए ।
5. गीता में आत्म तत्त्व का निरूपण कीजिए ।
6. भक्त के लक्षण बताते हुये भगवत् प्राप्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए ।
7. गीता के द्वादश अध्याय के आधार पर साकार ब्रह्म के लक्षण लिखिए ।
8. महाभारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
9. दुर्जनों के लक्षण अपने शब्दों में लिखिए ।
10. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–
    (क) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
    मा कर्मफल हेतुर्भू मा ते संगोस्त्वकर्मणि ।।
    (ख) संतुष्ट सततं योगी यतात्मा दृढ़निश्चयः ।
    मय्यर्पित मनोबुद्धिर्योमद्भक्त स मे प्रिय ।।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पदों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–
   (क) तामङ्गनां प्रेक्ष्य च विप्रलब्धा निःश्वस्य भूयः शरणं प्रपेदे ।
   विवर्ण–वक्ता न रराज चाशु विवर्ण–चन्द्रेव हिमागमे द्यौः ।।
   (ख) मा स्वामिन स्वामिनी दोषतो गाः प्रियं प्रियार्ह प्रियकारिणं तम् ।
   न स त्वदन्यां प्रमदाम् अवैति स्व–चक्रवाक्या इव चक्रवाक ।।
   (ग) वैदर्भ निर्दिष्टमसौ कुमारः क्लृप्तेन सोपानपथेन मञ्चम् ।
   शिलाविभङ्गैः मृगराजशावः तुङ्ग नगोत्सङ्म मिवारूरोह ।।
   (घ) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संक्षृणुते स किं प्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपएवमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) अथ स्तुते बन्दिभि अन्वयज्ञैः सोमार्कषंश्ये नरदेवलोके ।
   संचारिते चागुरू–सार–योनौ धूपे समुत्सर्पति वैजयन्ती ।।
   (ख) राधेय कौन्तेङयोऽथवाऽङ्म राजोऽमेव–मित्यथवा ।
   जानेऽहमपि न किञ्चिचद् दिवाकरौ मां प्रबोधयतात् ।।
   (ग) स किसरवा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संश्रृणुते स किंप्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रति नृपेष्वभात्येषु च सर्वसम्पदः ।।
   (घ) स तु त्वदर्थ गृहवासभप्सनु जिजीविषुः त्वत्परितोष–हेतो : ।
   भ्रात्रा किलार्येण तथागतेन प्रवाजितो नेत्र–जलार्द्र–वकत्रः ।।

3. बौद्ध काल में संस्कृत काव्य रचना का विवेचन कीजिए ।

4. वेदों के काव्य–सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।

5. भामह द्वारा दिये गये महाकाव्य–लक्षण की आलोचना कीजिए ।

6. महाकाव्य के रूप में सौन्दरनन्द की समीक्षा कीजिए ।

7. रघुवंश के पठित अंश के आधार पर कालिदास के काव्य–सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।

8. 'भारवै अर्थ गौरवम्' उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

9. कवि रामकरण शर्मा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

10. 'किरातार्जुनीयम्' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. बाणभट्ट की गद्य शैली की विशिष्टता का निरूपण कीजिए ।
2. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रः दर्पदातृज्वरोएमा।
   (ख) अनुज्झितध्वलतापि सरागैव भवित यूनां दृष्टिः ।
3. निम्नलिखित गद्याशों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–
   (क) सततमूलमन्त्रशम्यः विषमो विषयविषास्वादमोहः । नित्यमस्नानशौचबाध्यः बलवान् रागमलावलेपः । अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिन्द्रा भवति, इत्यतः विस्तरेणाभिधीयसे ।
   (ख) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपयोगमृगतृष्णिका नवयौवनकर्षायतात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः ।
4. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर लक्ष्मी की अस्थिरता का विवेचन कीजिए ।
5. जातकमाला की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए ।
6. व्याघ्रीजातक की कथा एवं इसके संदेश का निरूपण कीजिए ।
7. निम्नलिखित सन्दर्भों का अनुवाद कीजिए :–
   (क) स्वसौख्यसङ्गेन परस्य दुःखमुपेक्ष्यते शक्तिपरिक्षयाद् वा । न चान्यदुःखे सति मेऽस्ति सौख्यं सत्यां च शक्तौ किमुपेक्षकः स्यान् ।।
   (ख) अथ सा व्याघ्री तेन बोधिसत्त्वस्य शरीर–निपातशब्देन समुत्थापित कौतूहलामर्षा विरम्य स्वतनयवैशसोद्यमात् ततो नयने विचिक्षेप दृष्ट्वैव च बोधिसत्त्वशरीरमुद्गतप्राणं सहसाभिसृत्य भक्षयितुमुपचक्रमे ।
8. मैत्रीबल जातक के आधार पर राजा मैत्रबल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
9. शिवराजविजय की ऐतिहासकता का विवेचन कीजिए ।
10. "रयीशः" के पठित अंश का सार अपनी भाषा में संक्षेप में लिखिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरत के नाट्यशास्त्र पर एक विवेचनात्मक निबन्ध लिखिए ।
2. रूपक के उद्भव पर प्रकाश डालते हुए इसके क्रमिक विकास की विवेचना कीजिए ।
3. अर्थ प्रकृति और अवस्थापंचक को स्पष्ट कीजिए ।
4. 'मृच्छकटिकम्' नाम की सार्थकता पर विचार करते हुए कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
5. 'मृच्छकटिकम्' की नायिका का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
6. 'मुद्राराक्षस' के आधार पर चाणक्य का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
7. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' के चतुर्थ अंक में करूणा की धारा कवि के द्वारा बहायी गयी है'– स्पष्ट कीजिए ।
8. 'उत्तररामचरित' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए ।
9. 'अपूर्व प्रतिशोध' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
10. 'नीड़ निर्माणम' शीर्षक की सार्थकता एवं कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रत्ययों पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) टाप् (ख) ङीप्
   (ग) ङीन् (घ) ऊङ्
   (ङ) ति

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** शब्द–युग्मों का अर्थ–भेद बताइए :–
   (क) किंकरा–किंकरी (ख) पाणिगृहीता–पाणिगृहीती
   (ग) स्थला–स्थली (घ) चन्द्रमुखा–चन्द्रमुखी
   (ङ) उपाध्याया–उपाध्यायी

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) वयसि प्रथमे (ख) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे
   (ग) उगितश्च (घ) नित्यं संज्ञाछन्दसो
   (ङ) प्रायां ष्फ तद्धितः

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पद्रूपों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) कृत्यम् (ख) गद्यम्
   (ग) शिष्यः (घ) प्रयापणीयम्
   (ङ) मृज्यम्

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तरि कर्मव्यतिहारे (ख) विपराभ्यां जेः
   (ग) समवप्रविभ्यः (घ) उपान्मन्त्रकरणे
   (ङ) आङ उद्गमने

6. अधोलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए :–
   (क) कृत्यल्युटो बहुलम् (ख) अचो यत्
   (ग) ओरावश्यके (घ) एति–स्तु–शास्–वृ–दृ–जुषः क्यप्
   (ङ) कृत्यश्च

खण्ड–"ब"

7. परस्मैपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

8. भूतकालिक तथा निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) सत् (ख) कृत्य
   (ग) कर्मण्यण् (घ) इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः
   (ङ) सनाशंसभिक्ष उः

10. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य के प्रकारों का विवेचन करते हुए कर्मवाच्य एवं भाववाच्य के रूप में बनाने के नियमों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरत एवं उनके नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए ।
2. भारतीय ज्योतिष के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
3. वेदों में आयुर्वेद का स्थान निरूपित कीजिए ।
4. पूर्व पाणिनेय व्याकरण से त्रिमुनि व्याकरण तक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
5. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा प्रदर्शित कीजिए ।
6. अमरपूर्व कोशीय इतिहास पर प्रकाश डालिए ।
7. कोश के उद्‌भव एवं स्वरूप का परिचय दीजिए ।
8. स्मृति ग्रंथों पर प्रकाश डालिए ।
9. सूत्रकारों के साथ–साथ सूत्र–साहित्य का परिचय दीजिए ।
10. भाष्य एवं निबन्ध शास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) काव्येषु नाटकं रम्यं (ख) माघे सन्ति त्रयोगुणाः (ग) काव्य–लक्षणम्

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (क) नीलं मेघः आकाशे सञ्चरति । (ख) पृथिव्यां त्रीणि रत्नं सन्ति ।
   (ग) प्रयतमानः जनाः साफल्यं लभते । (घ) वयं संस्कृतं अपठामः ।
   (ङ) मानवजीवने छात्रजीवनं सुखदं सन्ति । (च) देशाटनस्य बहवः लाभाः अस्ति ।
   (छ) नकुलेन कृष्णसर्पम् इष्टः । (ज) चत्वारः कन्याः सीवन्ति ।
   (झ) अहं ह्यः विद्यालयं गमिष्यामि । (ञ) भवान् संस्कृतं पठसि लिखसि च ।
   (ट) सुहृदस्य गृहं गच्छ । (ठ) पुत्रः पितुः समीपं गमति ।
   (ड) भवानस्य गृहं कुत्र विद्यते ? (ढ) विद्वान् सर्वत्र पूज्यन्ते ।
   (ण) मध्यं फलं रुचति । (त) कविभिः कविता कुर्वन्ति ।

3. पञ्चमी विभक्ति सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

4. निम्नलिखित <u>रेखांकित</u> शब्दों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) <u>रामेण</u> बाणेन हतो रावणः । (ख) अभिनिशते <u>सन्मार्गम्</u> ।
   (ग) स्वस्ति <u>प्रजाभ्यः</u> । (घ) <u>कविषु</u> कालिदासः श्रेष्ठः ।

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   भारतीय–मनीषिभिः मनुष्याणां जीवनस्य चत्वारो भागाः कृता । तेषां प्रथमो ब्रह्मचर्य, द्वितीयो गृहस्थाश्रमः, तृतीयो वानप्रस्थः चतुर्थश्च संन्यासाभिधः विद्यते । ब्रह्मचर्यकालः एव मनुष्यस्य विद्याध्ययनकालः । अतः आयुषः सर्वाधिकः मूल्यवान् भागोदयम् । अस्मिन् काले जीवनं निकासोन्मुखं भवति, इन्द्रियाणि सबलानि भवन्ति, बुद्धिश्च तीक्ष्णा भवति, स्मरणशक्तिः उत्तमा जायते । अयमेव समयः भाविजीवननिर्माणस्य । अतः छात्राणां मुख्यं कर्त्तव्यमस्ति विद्याध्ययनम् । परं शरीरस्य मनसः बुद्धेश्च विकासोऽपि अनिवार्यः । यतोहि एषां विकासेन एव जीवने साफल्यं जायते । यूनां विकासेन राष्ट्रविकासो भवति । यतोहि युवकाः राष्ट्रस्य आधारः । विद्यार्थि–जीवने ब्रह्मचर्यस्य पालनम् अतीव आवश्यकम् । ब्रह्मचर्याचरणात् शरीरे बलं वर्द्धते उत्साहश्चापूर्वो उत्पद्यते । विद्यार्थीजीवनस्य मुख्योद्देश्यं विद्यार्जनम् चरित्र–निर्माणम् च । अतः विद्यार्थिभि आदर्शजीवनाय सदाचारसंयुतं यतनीयम् ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य ।
   (ख) वसुधैव कुटुम्बकम् ।
   (ग) परोपकाराय सतां विभूतयः ।

7. बहुव्रीहि अथवा तत्पुरुष समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं ***आठ*** पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   कृष्णसर्पः, इतिहरिः, भूतपूर्वः, पुत्रकन्ये, छत्रोपानहम्, मधुरापाटलिपुत्रम्, कर्णनासिकम्, प्राचार्यः, अष्टाध्यायी

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण कीजिए :–
   (क) हशि च । (ख) झलां जशोऽन्ते ।
   (ग) इको यणचि । (घ) ढलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।
   (ङ) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः । (च) स्तोः श्चुना श्चुः ।

10. (i) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    प्रातः, सरलः, कोमलः, प्रसादः, उपसर्गः, उन्नतिः, हिंसा, उदितः, आस्तिकः

    (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    अमृतम्, कपिः, गङ्गा, सरस्वती, राजा, समुद्रः, सर्पः, पृथ्वी, अग्नि, पक्षी

ꕥ ꕥ ꕥ